बादल - भगवान के पैर के धूल

परमेश् वर क्रोध मे मंद छथि, आ सामर्थ् य मे पैघ छथि, आ दुष् ट केँ एकदम निर्दोष नहि करताह।
बवंडर आ तूफान मे परमेश् वरक बाट छनि।
मेघ ओकर पएरक धूरा अछि। नहुम १:३

पंचतंत्र

हम अपन धनुष मेघ मे राखि दैत छी, आ ई हमरा आ पृथ्वीक बीच एकटा वाचाक निशानी बनत। जखन हम पृथ् वी पर मेघ आनब तखन मेघ मे धनुष देखबा मे आओत। धनुष मेघ मे रहत। हम ओकरा देखब, जाहि सँ हम परमेश् वर आ पृथ् वी पर सभ प्राणी सभक बीचक अनन्त वाचा केँ मोन पाड़ि सकब।" उत्पत्ति ९:१३-१४,१६

परमेश् वर दिन मे मेघक खंभा मे बैसि हुनका सभक आगू बढ़ैत छलाह जे हुनका सभ केँ बाट पर अग्रसर करथिन। आ राति मे आगि केर खंभा मे बैसि क' ओकरा सभ केँ इजोत देबय लेल। दिन-राति जेबाक लेल : १. ओ दिन मे मेघक खंभा आ राति मे आगि केर खंभा लोकक सोझाँ सँ नहि हँटा लेलक। निर्गमन 13:21-22

परमेश् वरक स् वर्गदूत जे इस्राएलक सन् तानक आगू बढ़लाह, ओ सभ हटि कऽ हुनका सभक पाछाँ चलि गेलाह। मेघक खंभा हुनका सभक मुँह सँ आगू बढ़ि कऽ हुनका सभक पाछू ठाढ़ भऽ गेल। ओ मिस्रक डेरा आ इस्राएलक डेराक बीच आबि गेल। ओ सभ मेघ आ अन्हार छल, मुदा राति मे ई सभ इजोत दैत छल, जाहि सँ एक गोटे राति भरि दोसरक लग नहि पहुँचल। भोरे-भोर परमेश् वर आगि आ मेघक खंभा मे सँ मिस्रक सेना दिस तकलनि आ मिस्रक सेना केँ परेशान कयलनि, निर्गमन 14:19-20,24

जखन हारून इस्राएलक समस्त मंडली सँ बात कयलनि तखन ओ सभ जंगल दिस तकलनि आ देखलहुँ जे मेघ मे परमेश् वरक महिमा प्रकट भऽ गेलाह। निर्गमन 16:10

परमेश् वर मूसा केँ कहलथिन, "देखू, हम घनघोर मेघ मे अहाँ लग आबि रहल छी, जाहि सँ लोक सभ सुनत जे हम अहाँ सँ गप्प करैत छी आ अहाँ पर अनन्त काल धरि विश् वास करत।" मूसा लोक सभक बात परमेश् वर केँ कहलथिन। तेसर दिन भोरे-भोर गरजल आ बिजली गिरल आ पहाड़ पर घनघोर मेघ आ तुरहीक आवाज बहुत जोर सँ बाजल। जाहि सँ डेरा मे जे सभ लोक छल से काँपि उठल। निष्कासन 19:9 ,16

मूसा पहाड़ पर चढ़ि गेलाह आ मेघ पहाड़ पर झाँपि देलक। परमेश् वरक महिमा सिनै पहाड़ पर रहल आ मेघ छह दिन धरि ओकरा झाँपि देलक। मूसा मेघक बीच मे जा कऽ पहाड़ पर चढ़ि गेलाह। निष्कासन 24:15-16,18

जखन मूसा तम्बू मे प्रवेश करैत छलाह तखन मेघक खंभा उतरि कऽ डेराक दरबज्जा पर ठाढ़ भऽ गेलाह आ परमेश् वर मूसा सँ गप्प कयलनि। सभ लोक सभ लोक सभ तम्बूक दरबज्जा पर मेघक खंभा कैँ ठाढ़ देखलक। निष्कासन 33:9-10

परमेश् वर मेघ मे उतरि कऽ हुनका संग ठाढ़ भऽ कऽ परमेश् वरक नामक प्रचार कयलनि। निष्कासन 34:5

तखन सभटाक तम्बू पर मेघ झाँपि देलक आ परमेश् वरक महिमा तम्बू मे भरि गेल। मूसा सभटाक डेरा मे नहि जा सकलाह, किएक तँ मेघ ओहि पर बैसल छल आ परमेश् वरक महिमा तम्बू मे भरि गेल छल। जखन मेघ तम्बूक उपर सँ ऊपर उठि गेल तखन इस्राएलक लोक सभ अपन यात्रा मे आगू बढ़ि गेल। मुदा जँ मेघ नहि उठाओल गेल तखन ओ सभ ओहि दिन धरि यात्रा नहि केलक। किएक तँ परमेश् वरक मेघ दिन मे तम्बू पर रहैत छल आ राति मे ओहि पर आगि, समस्त इस्राएलक वंशजक समस्त यात्रा मे। निर्गमन 40:34 -38

परमेश् वर मूसा कैँ कहलथिन, “अपन भाय हारून सँ कहू जे ओ सन् दूक पर राखल दया आसनक समक्ष पर्दाक भीतर पवित्र स् थान मे नहि आबय। ओ मरि नहि जाय, किएक तँ हम दयाक आसन पर मेघ मे देखाएब।” ओ धूप कैँ आगि पर परमेश् वरक समक्ष राखत, जाहि सँ गवाही पर जे दयाक आसन अछि तकरा धूप मेघ झाँपि सकय, जाहि सँ ओ मरि नहि जाय। लेवीय 16:2 ,13

जाहि दिन तम्बू ठाढ़ भेल छल, मेघ तम्बू अर्थात साक्ष्यक तम्बू कैँ झाँपि देलक आ साँझ मे भोर धरि तम्बू पर आगि जकाँ आगि जकाँ रहैत छल। सदिखन एहने छल: दिन मे मेघ ओकरा झाँपि दैत छलैक, आ राति मे आगि जकाँ देखाइत छलैक। जखन मेघ तम्बू सँ ऊपर उठि गेल तखन इस्राएलक लोक सभ विदा भ’ गेलाह। परमेश् वरक आज्ञा पर इस्राएलक लोक सभ यात्रा कयलनि आ परमेश् वरक आज्ञा पर स् थान ठाढ़ कयलनि। जखन मेघ बहुत दिन धरि तम्बू पर टिकल छल, तखन इस्राएलक लोक सभ परमेश् वरक आज्ञाक पालन कयलनि आ यात्रा नहि कयलनि। जखन मेघ किछुए दिन तम्बू पर छल। परमेश् वरक आज्ञाक अनुसार ओ सभ अपन डेरा मे रहैत छलाह आ परमेश् वरक आज्ञाक अनुसार ओ सभ यात्रा कयलनि। जखन मेघ साँझ सँ भोर धरि रहैत छल आ भोर मे मेघ उठि जाइत छल तखन ओ सभ यात्रा करैत छल। मेघ दू दिन, वा एक मास, वा एक साल, जखन ओहि मेघ पर रहि गेल छल, तखन इस्राएलक लोक सभ अपन डेरा मे रहि गेलाह आ यात्रा नहि कयलनि। गणना ९:१५-२२

दोसर वर्षक दोसर मासक बीसम दिन साक्षीक तम्बू पर सँ मेघ उठि गेल। इस्राएलक लोक सभ सिनैक जंगल सँ बाहर निकलि गेल। मेघ पारनक जंगल मे आराम केलक। जखन ओ सभ डेरा सँ बाहर निकलैत छलाह तखन दिन मे परमेश् वरक मेघ हुनका सभ पर छलनि। गणना 10:11-12,34

परमेश् वर मेघ मे उतरि कऽ हुनका सँ बात कयलनि आ हुनका पर जे आत् मा छलनि से सत्तरि बुजुर्ग सभ कैँ दऽ देलनि। गणना 11:25

परमेश् वर मेघक खंभा पर उतरि कऽ तम् बूक दरबज्जा मे ठाढ़ भऽ हारून आ मरियम कैँ बजा लेलनि। मेघ तम्बू पर सँ चलि गेल। मरियम कैँ कोढ़ भऽ गेलनि, बर्फ जकाँ उज्जर भऽ गेलीह। गणना 12:5,10

ओ सभ एहि देशक निवासी सभ कैँ ई बात कहत, किएक तँ ओ सभ सुनने अछि जे अहाँ परमेश् वर एहि लोक सभक बीच छी, अहाँ परमेश् वर कैँ आमने-सामने देखल जाइत छी आ अहाँक मेघ हुनका सभक ऊपर ठाढ़

अछि आ दिन मे मेघक खंभा मे आ राति मे आगि केर खंभा मे अहाँ हुनका सभक आगू बढ़ैत छी। गणना 14:14

जखन मूसा आ हारूनक विरुद्ध सभा जमा भेल तँ ओ सभ मंडप दिस तकलक आ देखलहुँ जे मेघ ओकरा झाँपि देलक आ परमेश् वरक महिमा प्रकट भऽ गेल। गणना 16:42

ओ अहाँ सभ सँ पहिने बाट मे जा कऽ राति मे आगि मे अहाँ सभ कैँ डेरा ठाढ़ करबाक स्थान ताकय लेल गेल छल, आ दिन मे मेघ मे अहाँ सभ कैँ ई देखाबय लेल। व्यवस्था 1:33

अहाँ सभ लग आबि कऽ पहाड़क नीचाँ ठाढ़ भऽ गेलहुँ। ओ पहाड़ आगि सँ आकाशक बीच धरि जरि गेल, अन्हार, मेघ आ घनघोर अन्हार सँ। व्यवस्था 4:11

ई बात परमेश् वर आगि, मेघ आ घनघोर अन् हारक बीच सँ पहाड़ पर अहाँक समस्त लोक कैँ जोर-जोर सँ कहलनि। ओ ओकरा सभ कैँ दू टा पाथरक पाटी मे लिखि हमरा सौंप देलनि। व्यवस्था 5:22

परमेश् वर तम्बू मे मेघक खंभा मे प्रगट भेलाह आ मेघक खंभा तम्बूक दरबज्जा पर ठाढ़ छल। व्यवस्था 31:15

इतिहास

प्रभु, जखन अहाँ सेइर सँ निकललहुँ आ एदोमक खेत सँ निकललहुँ तखन धरती काँपि उठल आ आकाश खसि पड़ल आ मेघ सेहो पानि खसि पड़ल। न्यायाधीश 5:4

चारू कात अन्हारक मंडप, अन्हार पानि आ आकाशक मोटका मेघ बनौलनि। 2 शमूएल 22:12

ओ भोरक इजोत जकाँ हेताह, जखन सूर्य उगैत अछि, ओहि भोर मे मेघ नहि। जेना बरखाक बाद साफ चमकि कए धरतीसँ निकलैत कोमल घास। 2 शमूएल 23:4

जखन पुरोहित सभ पवित्र स्थान सँ बाहर निकललाह तखन मेघ परमेश् वरक घर मे भरि गेल, जाहि सँ पुरोहित सभ मेघक कारणेँ सेवा करबाक लेल ठाढ़ नहि भऽ सकलाह, किएक तँ परमेश् वरक महिमा परमेश् वरक घर मे भरि गेल छल। १ राजा ८:१०-११

सातम बेर ओ कहलथिन, “देखू, समुद्र मे सँ एकटा छोट मेघ उठैत अछि जे मनुक्खक हाथ जकाँ अछि।” ओ कहलथिन, “चढ़ि कऽ अहाब कैँ कहू जे, “अपन रथ तैयार करू आ नीचाँ उतरू, जाहि सँ बरखा अहाँ कैँ नहि रोकय।” एहि बीच मेघ आ हवा सँ आकाश कारी भऽ गेल आ बहुत बरखा भेल। अहाब सवारी पर चढ़ि यजरेल गेलाह। 1 राजा 18:44-45

जेना तुरही बजाबय बला आ गाबय बला सभ एक जकाँ छल, तहिना परमेश् वरक स्तुति आ धन्यवाद मे एक-एकटा आवाज सुनबा मे आयल। जखन ओ सभ तुरही, झांझ आ वाद्ययंत्र सँ आवाज उठा कऽ परमेश् वरक स्तुति कयलनि जे, “ओ नीक छथि।” कारण, हुनकर दया अनन्त काल धरि रहतनि, तखन घर मेघ सँ भरि गेल छल, जे परमेश् वरक घर अछि। मेघक कारणेँ पुरोहित सभ सेवा करबाक लेल ठाढ़ नहि भऽ सकलाह, किएक तँ परमेश् वरक महिमा परमेश् वरक महिमा भरि गेल छल। 2 इतिहास 5:13-14

तहू मे अहाँ ओकरा सभ कैँ दिन मे मेघक खंभा सँ आगू बढ़बैत छी। आ राति मे आगि के खंभा पर लगा क' ओकरा सभ कैँ जाहि बाट पर जेबाक चाही, ताहि पर इजोत देल जाय। तइयो अहाँ अपन अनेक दयाक कारणेँ ओकरा सभ कैँ जंगल मे नहि छोड़लहुँ। आ ने राति मे आगि केर खंभा ओकरा सभ कैँ इजोत देखाबय लेल आ जाहि बाट पर ओकरा सभ कैँ जेबाक चाही से देखाबय लेल। नहेम्याह 9:12,19

शायरी

अन्हार आ मृत्युक छाया ओकरा पर दाग लगाबय। ओकरा पर मेघ रहय। दिनक कारीपन ओकरा आतंकित करय। अय्यूब 3:5

जहिना मेघ भस्म भऽ गेल अछि आ विलुप्त भऽ जाइत अछि, तहिना जे कबर मे उतरत से आब नहि उठत।" अय्यूब 7:9

भले ही ओकरो महानता आकाश तक चढ़ी जाय आरो माथा मेघ तक पहुँची जाय। तैयो ओ अपन गोबर जकाँ सदाक लेल नाश भऽ जायत। अय्यूब 20:6 -7

अहाँ कहैत छी जे, परमेश् वर कोना जनैत छथि? की ओ अन्हार मेघक माध्यमे न्याय क' सकैत अछि? घनघोर मेघ ओकरा लेल एकटा आवरण छै, जे ओकरा नहि देखै छै। ओ स् वर्गक चक्कर मे चलैत अछि। अय्यूब 22:13-14

ओ अपन मोटका मेघ मे पानि कैँ बान्हि लैत अछि। आ मेघ हुनका सभक नीचाँ नहि फाटल अछि। ओ अपन सिंहासनक मुँह रोकैत अछि आ ओहि पर अपन मेघ पसारि दैत अछि। अय्यूब 26:8-9

आतंक हमरा पर घुमि गेल अछि, हवा जकाँ हमर प्राणक पाछाँ पड़ैत अछि, आ हमर कल्याण मेघ जकाँ बीति जाइत अछि। अय्यूब 30:15

आकाश दिस देखू, आ देखू। अहाँ सँ बेसी ऊँच मेघ देखू।" अय्यूब 35:5

जे मेघ मनुक्ख पर प्रचुर मात्रा मे खसबैत आ आसुत करैत अछि। संगहि की कियो मेघक पसरल, वा हुनकर तम्बूक हल्ला कैँ बुझि सकैत अछि? मेघ सँ ओ इजोत कैँ झाँपि दैत छथि। ओ ओकरा आज्ञा दैत अछि जे बीच मे अबैत मेघ सँ नहि चमकय। अय्यूब 36:28-29,32

पानि पीबि कऽ ओ मोट मेघ कैँ थका दैत अछि, अपन चमकैत मेघ कैँ छिड़िया दैत अछि, की अहाँ कैँ बुझल अछि जे परमेश् वर ओकरा सभ कैँ कखन निपटौलनि आ अपन मेघक इजोत कैँ चमकौलनि? की अहाँ मेघक संतुलन, जे ज्ञान मे सिद्ध अछि ओकर आश्चर्यकारक काज जनैत छी? आब मेघ मे जे चमकैत इजोत अछि से मनुष् य नहि देखैत अछि, मुदा हवा ओकरा सभ कैँ साफ करैत अछि। अय्यूब 37:11,15-26,21

जखन हम मेघ कैँ ओकर वस्त्र बना देलियैक आ मोटका अन्हार कैँ ओकरा लेल लपेटबाक पट्टी बनौने रही, तखन की अहाँ मेघ पर अपन आवाज उठा सकैत छी जाहि सँ प्रचुर मात्रा मे पानि अहाँ कैँ झाँपि सकय? बुद्धि मे मेघ के गिनती के क सकैत अछि? या स्वर्गक बोतल के रहि सकैत अछि, अय्यूब 38:9,34,37

ओ अन्हार कैँ अपन गुप्त स्थान बना लेलनि; चारू कात ओकर मंडप अन्हार पानि आ आकाशक मोटका मेघ छलैक | सामने जे चमक छलैक ताहि पर ओकर मोटका मेघ बीति गेलै, ओला पाथर आ आगि के कोयला। भजन 18:11-12

हे प्रभु, तोहर दया स्वर्ग मे अछि। अहाँक विश्वास मेघ धरि पहुँचि जाइत अछि। भजन 36:5

किएक तँ अहाँक दया आकाश धरि आ अहाँक सत् य मेघ धरि पैघ अछि। भजन 57:10

अहाँ सभ परमेश् वर कैँ सामर्थ् य दिअ। भजन 68:34

मेघ पानि बहा देलक, आकाश आवाज निकाललक, तोहर बाण सेहो बाहर निकलि गेल। भजन 77:17

दिन मे सेहो ओ मेघ सँ आ भरि राति आगि केर इजोत सँ ओकरा सभ कैँ लऽ जाइत छलाह। यद्यपि ओ ऊपर सँ मेघ कैँ आज्ञा देने छलाह, आ स्वर्गक दरबज्जा खोलने छलाह, भजन 78:14,23

हुनका चारू कात मेघ आ अन्हार अछि, धर्म आ न्याय हुनकर सिंहासनक निवास अछि। भजन 97:2

ओ मेघक खंभा मे हुनका सभ सँ बात कयलनि, ओ सभ हुनकर गवाही आ हुनकर देल नियमक पालन करैत रहलाह। भजन 99:7

जे अपन कोठलीक किरण कैँ पानि मे राखैत अछि, मेघ कैँ अपन रथ बनबैत अछि, जे हवाक पाँखि पर चलैत अछि: भजन 104:3

ओ ढकबाक लेल मेघ पसारि देलनि। आ राति मे इजोत देबाक लेल आगि। भजन 105:39

कारण, अहाँक दया आकाश सँ बेसी अछि, आ अहाँक सत्य मेघ धरि पहुँचि जाइत अछि। भजन 108:4

जे आकाश कैँ मेघ सँ झाँपि दैत अछि, जे पृथ्वीक लेल बरखा तैयार करैत अछि, जे पहाड़ पर घास उगबैत अछि। भजन 147:8

ओकर ज्ञान सँ गहींर टूटि गेलै, आ मेघ ओस मे खसि पड़ै छै। नीतिवचन 3:20

जखन ओ ऊपर मेघ कैँ स्थापित कयलनि: जखन ओ गहींर मेघक फव्वारा कैँ मजबूत केलनि: नीतिवचन 8:28

राजाक मुँहक इजोत मे जीवन अछि; आ ओकर अनुग्रह बादक बरखाक मेघ जकाँ अछि। नीतिवचन 16:15

जे कियो झूठ वरदानक घमंड करैत अछि, से मेघ आ हवा जकाँ अछि, जकरा बरखा नहि होइत छैक। नीतिवचन 25:14

मेघ जँ बरखासँ भरल रहत तँ ओ धरती पर खाली भऽ जाइत अछि आ जँ गाछ दक्षिण दिस वा उत्तर दिस खसि पड़ैत अछि जतय गाछ खसैत अछि तँ ओतहि रहत। जे हवाक पालन करैत अछि, से बोन नहि करत। मेघक परवाह केओ काटि नहि लेत।" उपदेशक ११:३ -४

जखन कि रौद, आ ने इजोत, आ ने चान, आ ने तारा, आ ने बरखाक बाद मेघ घुरैत अछि। उपदेशक 12:2

पी रोफेट्स

परमेश् वर सियोन पर्वत आ ओकर सभा सभ पर दिन मे मेघ आ धुँआ आ राति मे ज्वालामुखी आगि केर चमक बनौताह। यशायाह 4:5

हम ओकरा उजाड़ि देब, ओकरा छंटाई नहि होयत आ ने खोदल जायत। मुदा काँट-काँट आ काँट उठत, हम मेघ सभ कें सेहो आज्ञा देब जे ओकरा पर बरखा नहि हो। यशायाह 5:6

हम मेघक ऊँचाई सँ ऊपर चढ़ब। हम परम उच्च जकाँ रहब। यशायाह 14:14

परमेश् वर हमरा एना कहलथिन, "हम विश्राम करब आ अपन निवास स्थान पर जड़ी-बूटी पर साफ गर्मी आ फसलक गरमी मे ओसक मेघ जकाँ विचार करब।" यशायाह 18:4

मिस्र के बोझ। देखू, परमेश् वर तेज मेघ पर सवार भS मिस्र मे आबि जेताह, आ मिस्रक मूर्ति सभ हुनकर सोझाँ हिलत आ मिस्रक हृदय ओकर बीच मे पिघलि जायत। यशायाह 19:1

अहाँ परदेशी सभक हल्ला कें ओहिना नीचाँ उतारब जेना सुखायल जगह मे गर्मी होइत छैक। मेघक छायाक संग गर्मी सेहो, भयावह लोकक डारि नीचाँ कयल जायत। यशायाह 25:5

हम घनघोर मेघ जकाँ अहाँक अपराध आ मेघ जकाँ अहाँक पाप कें मेटा देलहुँ। किएक तँ हम तोरा छुटकारा दS लेने छी।" यशायाह 44:22

ई के अछि जे मेघ जकाँ उड़ैत अछि आ कबूतर जकाँ अपन खिड़की दिस उड़ैत अछि? यशायाह 60:8

देखू, ओ मेघ जकाँ चढ़त आ ओकर रथ बवंडर जकाँ होयत। हमरा सभक धिक्कार! किएक तँ हम सभ लूटि गेल छी। यिर्मयाह 4:13

प्रभु अपन क्रोध मे सिय्योनक बेटी कें कोना मेघ सँ झाँपि देलनि, आ इस्राएलक सौन्दर्य कें स् वर्ग सँ पृथ् वी पर फेकि देलनि, आ अपन क्रोधक दिन अपन पैरक ठेहुन कें कोना नहि मोन पाड़लनि! विलाप २:१

अहाँ अपना कें मेघ सँ झाँपि लेने छी, जाहि सँ हमर सभक प्रार्थना ओहि मे सँ नहि गुजरय। विलाप 3:44

हम देखलहुँ, उत्तर दिस सँ एकटा बवंडर निकलल, एकटा पैघ मेघ आ आगि अपना कें घेरने छल, आ ओकर बीच सँ आगि केर बीच सँ एम्बरक रंग जकाँ चमक आबि रहल छल। जेना बरखाक दिन मेघ मे धनुषक रूप होइत छैक, तहिना चारू कात चमकक आभास होइत छलैक। परमेश् वरक महिमाक प्रतिरूपक रूप यैह छल। ई देखि हम मुँह पर खसि पड़लहुँ आ बजनिहारक आवाज सुनलहुँ। इजकिएल 1:4 ,28

हुनका सभक सोझाँ इस्राएलक वंशक प्राचीन लोक मे सँ सत्तर आदमी ठाढ़ छल आ हुनका सभक बीच मे शाफानक पुत्र याजनियाह ठाढ़ छल, जकरा हाथ मे अपन-अपन धूप-पात्र छलैक। धूपक मोटका मेघ चढ़ि गेल। इजकिएल 8:11

करुब सभ घरक दहिना कात ठाढ़ छल, जखन ओ आदमी भीतर गेल। आ मेघ भीतरक आँगन मे भरि गेल। तखन परमेश् वरक महिमा करुब सभ सँ ऊपर चलि गेल आ घरक दहलीज पर ठाढ़ भऽ गेल। घर मेघ सँ भरल छल आ आँगन परमेश् वरक महिमाक चमक सँ भरल छल। इजकिएल १०:३ -४

किएक तँ दिन लग आबि गेल अछि, परमेश् वरक दिन लग आबि गेल अछि, मेघक दिन। ओ विधर्मी सभक समय होयत। तेहफनेहेस मे सेहो ओ दिन अन्हार भ’ जायत, जखन हम ओतहि मिस्रक जुआ कैँ तोड़ब, आ ओकर शक्तिक धूमधाम ओकरा मे समाप्त भ’ जायत, ओकरा मेघ ओकरा झाँपि देतैक आ ओकर बेटी सभ बंदी मे चलि जायत।” इजकिएल 30:3 ,18

जखन हम अहाँ कैँ बाहर निकालब तखन हम आकाश कैँ झाँपि देब आ ओकर तारा सभ कैँ अन्हार कऽ देब। हम सूर्य कैँ मेघ सँ झाँपि देब, आ चान ओकरा इजोत नहि देत। इजकिएल 32:7

जेना चरबाह अपन भेँड़ा कैँ ताकैत अछि जाहि दिन ओ अपन छिड़ियाएल भेँड़ा मे रहैत अछि। तहिना हम अपन बरद सभ कैँ ताकब, आ मेघ आ अन्हार दिन मे जतय ओ सभ छिड़ियाएल अछि, ओहि ठाम सँ ओकरा सभ कैँ बचा लेब। इजकिएल 34:12

अहाँ चढ़ब आ तूफान जकाँ आबि जायब, अहाँ मेघ जकाँ बनब जे देश कैँ झाँपि देत, अहाँ आ अहाँक सभ दल आ अहाँक संग बहुतो लोक। अहाँ हमर इस्राएलक लोक पर मेघ जकाँ चढ़ब जे देश कैँ झाँपि देब। ई अंतिम समय मे होयत, आ हम अहाँ कैँ अपन देशक विरुद्ध आनब, जाहि सँ जाति-जाति हमरा चिन्हत, जखन हम अहाँ मे पवित्र भ’ जायब, हे गोग, हुनका सभक नजरि मे।” इजकिएल 38:9 ,16

हम राति मे दर्शन मे देखलहुँ, आ देखलहुँ, मनुख-पुत्र जकाँ एक गोटे स् वर्गक मेघक संग आबि कऽ प्राचीन दिनक लग आबि गेलाह आ ओ सभ हुनका हुनका सोझाँ लग अनलनि। दानियल 7:13

हे एप्रैम, हम तोरा की करब? हे यहूदा, हम तोरा की करबौ? अहाँ सभक भलाई भोर मेघ जकाँ अछि आ भोरक ओस जकाँ चलि जाइत अछि। होशे 6:4

तेँ ओ सभ भोर मेघ जकाँ होयत, आ भोरक ओस जकाँ जे भूसा भ' क' फर्श पर सँ भगाओल जाइत अछि आ चिमनी सँ निकलल धुँआ जकाँ। होशे 13:3

अन्हार आ उदासी के दिन, मेघ आ घनघोर अन्हार के दिन, जेना भोर पहाड़ पर पसरल छल: एकटा पैघ लोक आ एकटा मजबूत। कतेको पीढ़ीक वर्ष धरि एहन कहियो नहि भेल अछि आ ने एकर बाद आओत। योएल 2:2

परमेश् वर क्रोध मे मंद छथि, आ सामर्थ् य मे पैघ छथि, आ दुष्ट कैँ एकदम सँ निर्दोष नहि ठहरौताह। नहुम १:३

ओ दिन क्रोधक दिन अछि, विपत्ति आ विपत्तिक दिन अछि, उजाड़ आ उजाड़क दिन अछि, अन्हार आ उदासीक दिन अछि, मेघ आ घनघोर अन्हारक दिन अछि। सफनिया 1:15

अहाँ सभ परमेश् वर सँ बादक वर्षा मे बरखा माँगू। तेँ परमेश् वर चमकैत मेघ बना कऽ बरखाक बरसात करथिन, खेत मे हरेक घास-पात। जकरयाह 10:1

सुसमाचार पत्र

जखन ओ बजैत छलाह, तखन देखलहुँ जे एकटा चमकैत मेघ हुनका सभ पर छायादार भ' गेल छलनि। हुनकर बात सुनू। मत्ती 17:5

तखन स् वर्ग मे मनुष् य-पुत्रक चिन् ह प्रकट होयत, तखन पृथ् वीक सभ गोत्र शोक करत आ मनुख-पुत्र कैँ स् वर्गक मेघ मे सामर्थ् य आ बहुत महिमा सँ अबैत देखत। मत्ती २४:३०

यीशु हुनका कहलथिन, " अहाँ कहलहुँ, तइयो हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी जे आब अहाँ सभ मनुष् य-पुत्र कैँ सामर्थ्यक दहिना कात बैसल आ स् वर्गक मेघ मे आबि रहल देखब।" मत्ती २६:६४

एकटा मेघ हुनका सभ पर छाहरि देलकनि, तखन मेघ मे सँ एकटा आवाज आयल जे, "ई हमर प्रिय पुत्र छथि, हुनकर बात सुनू।" मरकुस 9:7

तखन ओ सभ मनुष् य-पुत्र कैँ मेघ मे बहुत सामर्थ् य आ महिमा सँ अबैत देखताह। मरकुस 13:26

यीशु कहलथिन, " हम छी। मरकुस 14:62 मे

जखन यीशु ई बात कहि रहल छलाह तखन मेघ आबि कऽ हुनका सभ पर छाँटि देलकनि। बादल मे सँ एकटा आवाज आयल जे, "ई हमर प्रिय पुत्र छथि, हुनकर बात सुनू।" लूका 9:34 -35

ओ लोक सभ कैँ सेहो कहलथिन, " जखन अहाँ सभ पश्चिम दिस सँ मेघ उठैत देखैत छी तऽ तुरन्त कहैत छी जे, 'बहाब' अबैत अछि। आ से सेहो अछि। लूका 12:54

तखन ओ सभ मनुष् य-पुत्र कैँ मेघ मे सामर्थ् य आ बहुत महिमा सँ अबैत देखताह। लूका 21:27

जखन यीशु ई सभ बात कहि कऽ ओ सभ देखैत रहलाह, तखन हुनका ऊपर उठाओल गेलनि। एकटा मेघ हुनका सभक नजरि सँ बाहर आबि गेलनि। प्रेरितों के काम 1:9

पत्र

यौ भाइ लोकनि, हम ई नहि चाहैत छी जे अहाँ सभ एहि बात सँ अनभिज्ञ रहू जे हमरा सभक सभ पूर्वज मेघक नीचाँ छल आ सभ समुद्रक बीच सँ गुजरैत छल। ओ सभ मेघ आ समुद्र मे मूसाक बपतिस् मा लेलक। 1 कोरिन्थी 10: 1- 2

तखन हम सभ जे जीवित छी आ बचल छी, ओकरा सभक संग मेघ मे उठि कऽ हवा मे प्रभु सँ भेंट कयल जायब। 1 थिस्सलुनीकियों 4:17

एहि लेल हम सभ सेहो एतेक पैघ गवाहक मेघ सँ घेरल छी, तेँ हम सभ अपन सभ भार आ पाप कैँ एक कात राखि जे हमरा सभ कैँ एतेक सहजता सँ घेरने अछि, आ अपना सभक सोझाँ राखल दौड़ कैँ धैर्यपूर्वक दौड़ू। इब्रानियों 12:1

ई सभ पानि रहित इनार अछि, मेघ अछि जे आँधी-तूफान सँ ल' जाइत अछि; जिनका लेल अन्हारक धुंध सदा-सदा लेल सुरक्षित अछि। 2 पत्रुस 2:17

ई सभ अहाँ सभक दानक भोज मे धब्बा अछि, जखन ओ सभ अहाँ सभक संग भोज करैत अछि आ बिना कोनो भय कैँ भोजन करैत अछि। जे गाछक फल मुरझा जाइत अछि, बिना फल के, दू बेर मरि गेल अछि, जड़ि सँ उखाड़ल गेल अछि। यहूदा 1:12

प्रकाशितवाक्य

देखू, ओ मेघक संग आबि रहल छथि। सभ आँखि ओकरा देखि लेत आ जे सभ ओकरा बेधने छल। तइयो, आमीन। प्रकाशितवाक्य १:७

हम देखलहुँ जे एकटा आओर पराक्रमी स् वर्गदूत मेघक वस्त्र पहिरने स् वर्ग सँ उतरैत छथि, आ हुनकर माथ पर इंद्रधनुष छलनि, हुनकर मुँह सूर्य जकाँ छलनि आ हुनकर पएर आगि केर खंभा जकाँ छलनि। प्रकाशितवाक्य १०:१

ओ सभ स् वर्ग सँ एकटा जोरदार आवाज सुनलक जे, “एतय चढ़ू।” ओ सभ मेघ मे बैसि कऽ स् वर्ग मे चढ़ि गेलाह। आ ओकरा सभक शत्रु सभ ओकरा सभ कैँ देखलक। प्रकाशितवाक्य 11:12

हम देखलहुँ तँ एकटा उज्जर मेघ देखलहुँ आ मेघ पर मनुष् य-पुत्र जकाँ बैसल छल, माथ पर सोनाक मुकुट आ हाथ मे तेज हँसुआ। मन्दिर सँ एकटा आओर स् वर्गदूत मेघ पर बैसल लोक कैँ जोर सँ चिचिया उठलाह, “अपन हँसुआ फेकि कऽ काटि काटि लिअ। किएक तँ पृथ्वीक फसल पाकि गेल अछि। मेघ पर बैसल लोक अपन हँसुआ धरती पर धकेलि देलक। आ धरती फसल काटि लेलक।” प्रकाशितवाक्य 14:14 -16

एपोक्रिफा

एकर बाद हमरा सोझाँ सँ एकटा पानि मेघ गुजरल आ तूफान सँ बहुत बरखा भेल। आ जखन तूफानी बरखा बीति गेल तखन बूंद स्थिर रहि गेल। २ एस्द्र ४:४९

तैयो जे खतरा मे पड़ि रहल अछि ओकरा लेल एहि सभ बात मे एनाई आसान अछि, जखन कि ओ संसार मे मेघ जकाँ चलि जाय आ अंतिम समय मे घटित घटना सभ कैँ नहि देखय। ओ हमरा उत्तर देलथिन। २ एस्द्रा १३:२०

देखू, पूब आ उत्तर सँ दक्षिण दिस मेघ अछि, आ ओकरा देखबा मे बहुत भयावह अछि, जे क्रोध आ तूफान सँ भरल अछि। पूब दिस सँ तेज हवा उठत आ ओकरा खोलत। ओ मेघ जकरा ओ क्रोध मे उठौलनि, आ तारा जे पूब आ पश्चिम हवा मे भय पैदा करबाक लेल झकझोरि देलक, से नष्ट भ' जायत। बड़का-बड़का मेघ क्रोध आ

तारा सँ भरल-पूरल फुलाओत, जाहि सँ ओ सभ पृथ् वी आ ओहि मे रहनिहार सभ कैँ भयभीत कऽ देत। ओ सभ ऊँच-ऊँच स्थान पर एकटा भयावह तारा उझलि देत, 2 एस्द्रा 15:34 ,39-40

आ हमरा सभक नाम समयक संग बिसरि जायत, आ हमरा सभक काज ककरो मोन मे नहि राखल जायत, आ हमर सभक जीवन मेघक निशान जकाँ बीति जायत आ धुंध जकाँ तितर-बितर भ' जायत, जे सूर्यक किरण सँ भगाओल जाइत अछि आ ओकर गर्मी सँ हावी भ' जाइत अछि। सुलेमान 2:4 के बुद्धि

तखन सही निशाना लगाबय बला वज्र विदेश चलि जायत। मेघ सँ, जेना नीक जकाँ खींचल धनुष सँ, निशान पर उड़ि जायत। सुलेमान 5:21 के बुद्धि

जेना, डेरा पर छाया करय बला मेघ; आ जतए आगू पानि ठाढ़ छल, ओतए शुष्क जमीन देखाइत छल। आ लाल समुद्र सँ निर्बाध कोनो बाट। आ हिंसक धार सँ हरियर खेत: सुलेमानक बुद्धि 19:7

जखन कोनो धनी बजैत अछि तऽ सभ अपन जीह पकड़ि लैत अछि आ देखू, जे कहैत अछि, तकर प्रशंसा मेघ धरि करैत अछि। आ जँ ठोकर खाएत तँ ओकरा उखाड़बामे मदति करत। उपदेशक 13:23

हम परमेश् वरक मुँह सँ निकलि कऽ पृथ् वी कैँ मेघ जकाँ झाँपि देलियैक। हम ऊँच स्थान पर रहैत छलहुँ, आ हमर सिंहासन मेघक खंभा मे अछि। उपदेशक 24:3-4

जे परमेश् वरक सेवा करैत अछि, तकरा अनुग्रह सँ ग्रहण कयल जायत आ ओकर प्रार्थना मेघ धरि पहुँचि जायत। विनम्र लोकक प्रार्थना मेघ कैँ बेधैत अछि, जा धरि ओ नजदीक नहि आबि जायत ता धरि ओकरा सान्त्वना नहि भेटतैक। ओ ताबत धरि नहि जायब जाबत धरि परमेश् वर धार्मिक न् याय करब आ न् याय नहि करत। दया क्लेशक समय मे मौसमी होइत छैक, जेना रौदीक समय मे बरखाक मेघ होइत छैक | उपदेशक 35:16-17,20

एहि सँ खजाना खुजि जाइत अछि आ मेघ चिड़ै जकाँ उड़ैत अछि। ओ अपन पैघ शक्ति सँ मेघ कैँ दृढ़ करैत छथि, आ ओला छोट-छोट टूटि जाइत अछि। उपदेशक 43:14-15

ओ ओकरा अपन आवाज सुनौलनि, आ ओकरा अन्हार मेघ मे लऽ गेलाह आ ओकरा सामने जीवन आ ज्ञानक व्यवस्था देलथिन, जाहि सँ ओ याकूब कैँ अपन वाचा आ इस्राएल कैँ अपन न्याय सिखाबथि। उपदेशक 45:5

ओ मेघक बीच भोरका तारा जकाँ छल आ पूर्ण भेला पर चान जकाँ, जेना परमेश् वरक मन् दिर पर रौद चमकैत अछि आ इंद्रधनुष जकाँ चमकैत मेघ मे इजोत दैत अछि, आ जहिना एकटा सुन्दर जैतूनक गाछ फल दैत अछि आ सरूक गाछ जकाँ जे मेघ धरि बढ़ैत अछि। उपदेशक 50:6-7,10

के स् वर्ग मे जा कऽ ओकरा लऽ कऽ मेघ सँ उतारलक? बरुक 3:29

जखन परमेश् वर मेघ सभ कैँ पूरा संसार मे घुमबाक आज्ञा दैत छथि तँ ओ सभ जेना कहल गेल अछि तेना करैत अछि। यिर्मयाह 1:62 के पत्र

हे बिजली आ मेघ, प्रभुक आशीष करू। अजरिया 1:51 के प्रार्थना

जखन ई काज भेल आ सूर्यक प्रकाशक समय आबि गेल जे पहिने मेघ मे नुकायल छल, तखन एकटा पैघ आगि लागल जे सभ लोक आश्चर्यचकित भ' गेल। २ मक्काबियों १:२२

तखन परमेश् वर हुनका सभ कैँ ई सभ बात देखौताह आ प्रभुक महिमा आ मेघ सेहो प्रगट होयत जेना मूसाक समय मे देखाओल गेल छल आ जखन सुलेमान चाहैत छलाह जे ओहि स्थान कैँ आदरपूर्वक पवित्र कयल जाय। 2 मक्काबियों 2:8

हनोक

देखू ग्रीष्म आ जाड़, कोना समस्त धरती पानि सँ भरि गेल अछि आ ओकरा पर मेघ आ ओस आ बरखा पड़ल अछि। हनोक 2:3

ओ सभ बहुत रास अभक्ति उत्पन्न भेल आ ओ सभ व्यभिचार कयलक आ ओ सभ भटकल आ अपन सभ बाट मे भ्रष्ट भऽ गेल। सेमजाजा मंत्रमुग्ध, आ जड़ि-कटब, आर्मरोस मंत्रमुग्धक संकल्प, बराकिजाल, ज्योतिष सिखाबैत छल, कोकाबेल नक्षत्र, एजेकेल मेघक ज्ञान, अरकिएल पृथ्वीक चिन्ह, शमसीएल सूर्यक चिन्ह, आ सरीएल चन्द्रमाक मार्ग सिखाबैत छल | जखन मनुष् यक नाश होइत गेल तखन ओ सभ चिचिया उठल आ ओकर सभक चीत्कार स् वर्ग मे चलि गेल | . . हनोक 8:2

आ दर्शन हमरा एहि तरहेँ देखाओल गेल: देखू, दर्शन मे मेघ हमरा आमंत्रित केलक आ एकटा धुंध हमरा बजौलक, आ तारा आ बिजलीक गति हमरा तेज आ तेज क' देलक, आ दर्शन मे हवा हमरा उड़ि देलक आ हमरा ऊपर उठा क' स्वर्ग मे ल' गेल। हनोक 14:8

हम देखलहुँ जे पृथ्वी पर हवा मेघ कैँ ल' क' चलैत छल: हम स्वर्गदूत सभक बाट देखलहुँ। हम पृथ्वीक छोर पर ऊपर आकाशक आकाश देखलहुँ। हनोक 18:5

प्रचुर मात्रा मे जलप्रवाह जकाँ दौड़ैत जे उत्तर-पश्चिम दिस बहैत छल जाहि सँ चारू कात मेघ आ ओस चढ़ि जाइत छल | हनोक 28:3

आ ओतहि हमर आँखि बिजली आ गरजबाक रहस्य आ हवाक रहस्य देखलक जे कोना ओ सभ धरती पर उड़बाक लेल बँटल अछि, आ मेघ आ ओसक रहस्य, आ ओतहि देखलहुँ जे ओ सभ ओहि स्थान पर कतय सँ निकलैत अछि आ कतय सँ धूल-धूसरित धरती कैँ संतृप्त करैत अछि। ओतय हम बंद कोठली देखलहुँ जाहि मे हवा बँटल अछि, ओला आ हवाक कोठली, धुंध आ मेघक कोठली आ ओकर मेघ संसारक प्रारम्भहि सँ पृथ्वी पर मंडराइत अछि। हनोक 41:3-4

ओसक आत् मा आकाशक छोर पर अपन निवास करैत अछि आ बरखाक कोठली सभसँ जुड़ल अछि आ जाड़ आ ग्रीष्ममे ओकर मार्ग होइत अछि, आ ओकर मेघ आ धुंधक मेघ जुड़ल अछि आ एक दोसरकेँ दैत अछि। हनोक 60:20

आ बीचक पोर्टलसँ प्रत्यक्ष दिशामे स्वास्थ्य आ वर्षा आ ओस आ समृद्धि अबैत अछि; आ पश्चिम मे तेसर द्वार सँ मेघ आ कर्कश-ठंढा, बर्फ आ बरखा, ओस आ टिड्डी अबैत अछि। हनोक 76:11

चारिम भाग, जकर नाम उत्तर राखल गेल अछि, तीन भाग मे बँटल अछि: पहिल भाग मनुष्यक निवासक लेल अछि, आ दोसर भाग मे पानि, रसातल, जंगल आ नदी, आ अन्हार आ मेघ अछि। आ तेसर भाग मे धर्मक बगीचा अछि। हनोक 77:3

हे हमर आँखि पानिक मेघ बनि गेल रहैत, जाहि सँ हम अहाँ पर कानब, आ अपन नोर कैँ पानिक मेघ जकाँ बहबैत, जाहि सँ हम अपन हृदयक विपत्ति सँ विश्राम क' सकितहुँ! हनोक 95:1

ओ अहाँ सभक विरुद्ध हर मेघ, धुंध, ओस आ बरखा कैँ गवाही देबाक लेल बजौताह। कारण, अहाँ सभक कारणेँ ओ सभ अहाँ सभ पर उतरबा सँ रोकल जायत आ अहाँ सभक पाप सभक मोन मे रहत। हनोक 100:11

आ हम ओतय किछु अदृश्य मेघ जकाँ देखलहुँ। कारण एकर गहींरताक कारणेँ हम ओहि दिस नहि देखि सकलहुँ, आ आगि केर लौ चमकैत देखलहुँ, आ चमकैत पहाड़ सन चीज एम्हर-ओम्हर घुमैत आ झाड़ैत। हनोक 108:4

जशेर

ओ ओकरा कहलथिन, “अपन बेटा, अपन एकमात्र पुत्र, जकरा सँ अहाँ प्रेम करैत छी, इसहाक कैँ लऽ कऽ मोरिया देश जाउ आ ओतय ओकरा होमबलि मे चढ़ाउ जे कोनो पहाड़ पर अहाँ कैँ देखाओल जायत, कारण ओतहि अहाँ मेघ आ प्रभुक महिमा देखब।” पृथ् वी सँ स् वर्ग धरि पहुँचल आगि क खंभा आ पहाड़ पर एकटा महिमा क मेघ प्रकट भेल आ मेघ मे प्रभुक महिमा देखल गेल। अब्राहम इसहाक कैँ कहलथिन, “हे बेटा, की अहाँ ओहि पहाड़ मे देखैत छी जे हम सभ दूर सँ बुझैत छी? इसहाक उत्तर देलथिन, “हम आगि केर खंभा आ मेघ देखैत छी आ मेघ पर प्रभुक महिमा देखबा मे अबैत अछि।” याशेर 23:2,42-44

परमेश् वरक महिमा सिनै पहाड़ पर आबि गेल आ मूसा कैँ पुकारलनि आ मूसा मेघक बीच मे आबि पहाड़ पर चढ़ि गेलाह। याशेर 82:8 के अनुसार

मासक बीसम दिन मेघ साक्ष्यक तम्बू सँ चलि गेल। ओहि समय मे इस्राएलक लोक सभ सिनैक जंगल सँ अपन यात्रा जारी रखलनि आ तीन दिनक यात्रा कयलनि आ मेघ पारनक जंगल पर आबि गेलाह। ओतहि परमेश् वरक क्रोध इस्राएल पर भड़कि गेल, किएक तँ ओ सभ परमेश् वर सँ भोजन माँगि कऽ क्रोधित कऽ देने छल। याशेर 83:25-26

प्रभु तम्बू मे मेघक खंभा मे प्रगट भेलाह आ मेघक खंभा तम्बूक प्रवेश द्वार पर ठाढ़ छल। याशेर 87:2 के अनुसार

जयंती

मूसा परमेश् वरक पहाड़ पर चढ़ि गेलाह आ परमेश् वरक महिमा सिनै पहाड़ पर रहि गेल आ छह दिन धरि मेघ ओकरा पर छाहरि देलक। सातम दिन मेघक बीच सँ मूसा कैँ बजौलनि आ प्रभुक महिमा पहाड़क चोटी पर ज्वालामुखी आगि जकाँ देखा रहल छलाह। जुबली 1:2-3

कारण, पहिल दिन ओ आकाश कैँ जे ऊपर अछि आ पृथ्वी आ पानि आ सभ आत् मा जे हुनका सोझाँ सेवा करैत अछि -सन्निध्यक स् वर्गदूत, पवित्रताक दूत, आ आगि आ हवाक आत् माक स् वर्गदूत, आ मेघक आत् माक स् वर्गदूत, आ अन् हार, बर्फ आ ओला आ ठंढाक स् वर्गदूत, आ आवाजक दूत सभक सृष्टि कयलनि आ गरज आ बिजली के, आ ठंढा आ गर्मी के आत्मा के स्वर्गदूत के, आ जाड़ के आ वसंत के आ शरद आ गर्मी के आत्मा के आ अपन सब प्राणी के जे आकाश आ पृथ्वी पर छै, ओ रसातल आ अन्हार, साँझ आ राति, आ इजोत, भोर आ दिन के सृजन केलनि, जे ओ अपन हृदय के ज्ञान में तैयार केने छथि। जुबली 2:2

ओ अपन धनुष मेघ मे राखि अनन्त वाचाक निशानी लेल राखि देलनि जे पृथ्वी पर फेर सँ जलप्रलय नहि आबि जाय जे पृथ्वीक भरि दिन ओकरा नष्ट क' देत। जुबली 6:16

कागक मेघ बीया कैँ खाय लेल आयल, आ अब्राम ओकरा सभ कैँ जमीन पर बैसबा सँ पहिने ओकरा सभ सँ भेंट करय लेल दौड़ल, आ ओकरा सभ कैँ बीया खायबाक लेल जमीन पर बैसबा सँ पहिने ओकरा सभ कैँ चिचिया उठल आ कहलक, 'उतरब नहि जाउ, जाहि ठाम सँ अहाँ सभ आयल छी, ओहि ठाम घुरि जाउ।' आ ओ सभ पाछू घुमि गेल। ओहि दिन ओ कागक मेघ कैँ सत्तरि बेर पाछू घुमा देलथिन आ अब्राम जतऽ देश मे छलाह, ओहि मेघ मे सँ एकोटा नहि बसल। जुबली ११:१८-१९

बाइबिल के खोया किताबें

मुदा जखन हम जा रहल छलहुँ, यूसुफ कहलनि, हम हवा दिस तकलहुँ, तऽ देखलहुँ जे मेघ चकित भ' गेल छल, आ हवाक चिड़ै सभ अपन उड़बाक बीच रुकि गेल छल। प्रोटेवेन्जेलियन 13:2

तखन एकटा चमकैत मेघ गुफा पर छाहरि गेल आ दाई बजलीह, "आइ हमर आत्मा बढ़ि गेल अछि, कारण हमर आँखि आश्चर्यचकित बात देखि लेलक अछि, आ इस्राएलक उद्धार भ' गेल अछि।" मुदा अचानक मेघ गुफा मे एकटा पैघ इजोत बनि गेल, जाहि सँ हुनका लोकनिक आँखि सहन नहि भ' सकलनि। प्रोटेवेन्जेलियन 14:10-11

एतय हम सब एखन धरि गेल छी, आ मृत्युक स्वाद नहि लेने छी, मुदा आब मसीह विरोधी के आगमन पर ईश्वरीय संकेत आ चमत्कार सँ लैस भ' क' वापस आबय बला छी, हुनका संग युद्ध मे लागय लेल, आ यरूशलेम मे हुनका द्वारा मारल जेबाक लेल, आ साढ़े तीन दिनक बाद फेर सँ जीवित मेघ मे ल' जेबाक लेल। निकोदेमस के सुसमाचार २०:४

तखन लोक सभ ओहि ढेर मे आगि लगा देलक। भले ही लौ बहुत बड़ऽ छेलै, लेकिन ओकरा स्पर्श नै करलकै, कैन्हेंकि भगवान ओकरा पर दया करी कं नीचें के धरती सें बहुत बड़ऽ विस्फोट करी देलकै, आरो ऊपर सें मेघ बहुत मात्रा में बरसात आरो ओला गिरी देलकै; पौलुसक काज आ थेक्ला 5:15

मुदा माछ (समुद्रक बछड़ा,) जखन इजोत आ आगि देखि मारल गेल, आ पानिक सतह पर मरि गेल हेलि गेल, आ आगि के मेघ थेक्ला के घेर लेलक, जाहि सं जेना जानवर ओकरा लग नहि आबि सकल, तहिना लोक ओकर नंगटेपन नहि देखि सकल. पौलुसक काज आ थेक्ला 9:9

जखन ओ ओतय सँ विदा भेलीह तखन ओ सेलुसिया गेलीह आ बहुतो कैँ मसीहक ज्ञान मे प्रबुद्ध कयलनि। आ एकटा चमकैत मेघ हुनका यात्रा मे घुमाबैत छल । सेलुसिया पहुँचला के बाद ओ नगर सँ बाहर लगभग एक फरलांग के दूरी पर एक जगह पर चलि गेलीह, कारण ओ सभ ओहि निवासी सभ सँ डरैत छलीह, कारण ओ

सभ मूर्तिक उपासक छलाह। आ ओकरा (मेघ द्वारा) कैलामोन या रोडियोन नामक पहाड़ पर लऽ गेलै। ओतय ओ कतेको वर्ष धरि रहलीह, आ शैतानक बहुत रास गंभीर प्रलोभन सँ गुजरलनि, जकरा ओ मसीह सँ भेटल सहायता सँ एकटा योग्य तरीका सँ सहैत रहलीह। पौलुसक काज आ थेक्ला 10:11-14

हम सभ अपन समझ मे दोषपूर्ण छलहुँ; पाथर आ लकड़ीक पूजा करब; सोना, चानी आ पीतल, जे मनुष् यक हाथक काज अछि। आ हमर सभक समस्त जीवन मृत्युक अतिरिक्त किछु नहि छल। तैँ अन्हार मे घेरल आ आँखिक सोझाँ एहन धुंध देखि हम सभ आँखि उठा कऽ देखलहुँ आ हुनकर इच्छाक द्वारा ओहि मेघ केँ एक कात राखि देलियैक जाहि मे हम सभ घेरल छलहुँ। कारण, ओ हमरा सभ पर दया करैत छलाह, आ अपन आंत मे हमरा सभ दिस घुमि कऽ हमरा सभ केँ बचा लेलनि। हमरा सभ मे बहुत गलती आ विनाश देखलहुँ। ओ देखलहुँ जे हमरा सभ केँ उद्धारक कोनो आशा नहि छल, बल् कि मात्र हुनका द्वारा। 2 क्लेमेंट कोरिन्थी 1:7-9 केँ

आ मादाक संग नर ने नर आ ने स्त्री;—ओकर मतलब ई अछि; ओ हमरा सभक क्रोध केँ पुरुष, हमर सभक कामुकता केँ स्त्री कहैत छथि। तैँ जखन मनुष्य एहन दर्रा पर आबि जाइत अछि जे ओ एहि मे सँ एकटाक अधीन नहि भ' जाइत अछि आ ने दोसर (जे दुनू प्रथाक प्रचलन, आ एकटा दुष्ट शिक्षाक माध्यमे, कारण केँ मेघ आ अन्हार क' दैत अछि,) बल्कि, ओकरा सभ सँ उत्पन्न धुंध केँ दूर क', आ लाज सँ भरल, पश्चाताप सँ अपन आत्मा आ आत्मा दुनू केँ तर्कक आज्ञापालन मे एकीकृत क' लेत; तखन, जेना पौलुस कहैत छथि, हमरा सभ मे ने पुरुष अछि आ ने स्त्री। 2 क्लेमेंट कोरिन्थी 5:4-6 केँ

जहिना ओ पृथ् वी पर जेना छलाह, तहिना यहूदी सभ केँ एखन धरि आज्ञा देल गेल छलनि जे दू टा बकरी केँ सुन्दर आ बराबर लऽ ली। ताकि जखन ओ सभ हमरा सभक उद्धारकर्ता केँ परलोक मे स् वर्गक मेघ मे आबि रहल देखताह तखन ओ सभ बकरी सभक उपमा देखि आश्चर्यचकित भ' जाय। बरनबास के सामान्य पत्र 6:12

अदन के बिसरल किताब

मुदा जखन धूर्त शैतान ओकरा सभ केँ गाछी दिस जा रहल छल, तखन ओ अपन सेना केँ जमा कऽ लेलक आ ओकरा सभ केँ धोखा देबाक इरादा सँ मेघ पर आबि गेल। 1 आदम आ हव्वाक किताब 28:1

परमेश् वर हमरा आगू कहलथिन, “जँ अहाँ लग चलबाक सामर्थ्य नहि अछि तँ हम एकटा मेघ पठा देब जे अहाँ केँ लऽ कऽ हुनका सभक गुफाक प्रवेश द्वार पर उतारि देब। तखन मेघ घुरि कऽ अहाँ केँ ओतहि छोड़ि देत। जँ ओ सभ अहाँक संग आबि जेताह तँ हम अहाँ आ हुनका सभ केँ ढोबय लेल मेघ पठा देब। तखन ओ एकटा मेघक आज्ञा देलनि, आ ओ हमरा उठौलक आ हमरा अहाँ लग अनलक। आ फेर घुरि गेल। 1 आदम आ हव्वा के किताब 60:23-25

जखन हनोक अपन पुत्र सभ केँ कहलथिन तखन स् वर्गदूत सभ हुनका अपन पाँखि पर चढ़ा कऽ पहिल आकाश मे लऽ गेलाह आ मेघ पर राखि देलथिन। आ ओतहि हम देखलहुँ, आ फेर ऊँच देखलहुँ, आ ईथर देखलहुँ, आ ओ सभ हमरा पहिल आकाश पर राखि देलक आ हमरा एकटा बहुत पैघ समुद्र देखा देलक, जे पार्थिव समुद्र सँ पैघ छल। हनोक 3:1 के रहस्य

आ एतय हम नीचाँ तकलहुँ आ देखलहुँ जे बर्फक खजाना सभ, आ अपन भयावह भंडार रखनिहार स् वर्गदूत सभ, आ मेघ सभ जतय सँ निकलैत अछि आ जाहि मे जाइत अछि। हनोक 5:1 के रहस्य

आ एकटा स् वर्गदूतक क्रम मे सँ एक गोटे अपन अधीनस्थ क्रमक संग मुँह घुमा कऽ एकटा असंभव विचार सोचलनि जे ओ अपन सिंहासन कैँ पृथ्वी सँ ऊपर मेघ सँ ऊँच राखि देथिन, जाहि सँ ओ हमर शक्तिक बराबर पद पर बनि जाय। हनोक 29:3 के रहस्य

(शुक्र दिन) छठम दिन हम अपन बुद्धि कैँ आज्ञा देलियनि जे मनुक्ख कैँ सात स्थिरता सँ बनाबी: एकटा, ओकर मांस धरती सँ; दू, ओससँ ओकर खून; तीन, सूर्यसँ ओकर आँखि; चारि, ओकर हड्डी पाथरसँ; पाँच, स्वर्गदूत सभक तेज आ मेघ सँ ओकर बुद्धि; छह, पृथ्वीक घाससँ ओकर नस आ केश। सात, हमर साँससँ आ हवासँ ओकर आत्मा। हनोक के रहस्य 30:10

अहाँ हमर ठोरक वचन सुनैत छी, जेना हम प्रभुक वचन सुनलहुँ, मेघक उछालक संग अविराम बड़का गरजैत जकाँ। हनोक 39:7 के रहस्य

आ हम सूर्यक घेरा नापि, आ ओकर किरण नापि, घंटो गिनलहुँ, हम सेहो लिखलहुँ सभ' चीज जे पृथ्वी पर जाइत अछि हम ओहि वस्तु सभ कैँ लिखने छी जे पोषित होइत अछि, आ सभ बीया बोओल आ बिना बोओल, जे धरती उत्पन्न करैत अछि आ सभ पौधा, आ हर घास आ हरेक फूल, आ ओकर मधुर गंध, आ ओकर नाम, आ मेघक निवास-स्थान, आ ओकर रचना, आ ओकर पाँखि, आ कोना बरखा आ बरखाक बूंद सहैत अछि। आ हम सभ बातक जाँच केलहुँ आ गरज आ बिजलीक बाट लिखलहुँ आ ओ सभ हमरा चाभी आ ओकर रक्षक, ओकर उदय, ओकर सभक बाट देखौलक। एकरा जंजीर सँ नाप-जोख (धीरे) बाहर छोड़ल जाइत छैक, कहीं भारी जंजीर आ हिंसा सँ ई क्रोधित मेघ के नीचाँ फेकि पृथ्वीक सभ वस्तु के नष्ट नहि क' दैत छैक | हम बर्फक खजाना-गृह, आ ठंढा आ ठंढा हवाक भंडार लिखलहुँ, आ ओकर मौसमक चाभी-धारकक अवलोकन केलहुँ, ओ मेघ सभकैँ ओहि सभसँ भरैत अछि, आ खजाना-घर सभकैँ समाप्त नहि करैत अछि । हनोक 40:5-7 के रहस्य

हमर सतावनिहार सभ आबि कऽ हमरा नहि देखताह, हुनका सभक आँखि पर अन्हारक मेघ खसि पड़तनि। आरू घनघोर उदासी के हवा ओकरा सिनी कॅ अन्हार करी देतै: सुलैमान के ओड्स 5:4-5

प्रभुक ओस कैँ शान्तता मे हमरा पर आसुत कयलनि, आ शान्तिक मेघ कैँ ओ हमर माथ पर उठौलनि, जे हमरा सदिखन पहरा दैत छल। ई हमरा लेल उद्धारक लेल छल: सब किछु हिल गेल आ ओ सभ डरा गेल। सुलेमान के ओड्स 35:1-3

किएक तँ परमेश् वरक महानताक अनुसार ओ हमरा बनौलनि। ओ हमरा अपन सिद्धता सँ अभिषेक कयलनि, आ हम हुनकर पड़ोसी मे सँ एक बनि गेलहुँ। ओसक मेघ जकाँ हमर मुँह खुजि गेल, आ हमर हृदय धर्मक धार जकाँ उझलि गेल, आ हुनका लग हमर पहुँच शान्ति सँ भेल। आ हम हुनकर शासनक आत् मा द्वारा स्थापित भेलहुँ। हलेलुयाह। सुलेमान के ओड्स 36:5-8

हुनकर समय मे आकाश उल्लास करत, पृथ् वी हर्षित होयत आ मेघ आनन्दित होयत। परमेश् वरक ज्ञान समुद्रक पानि जकाँ पृथ् वी पर उझलि जायत। प्रभुक सान्निध्यक महिमाक स् वर्गदूत सभ हुनका पर प्रसन्न हेताह। लेवी 5:18-20 के नियम